Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
20 May

Quote of the Day

Result Mitra

जो लोग अपने **सपनों** को **पूरा** करने की **हिम्मत** रखते हैं, वे ही अपने जीवन में **सफल** होते हैं।

विश्व एड्स वैक्सीन दिवस

UPSC Mains Paper - 3

DAILY CURRENT AFFAIRS

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- विश्व एड्स वैक्सीन दिवस, जिसे एचआईवी वैक्सीन जागरूकता दिवस भी कहा जाता है, प्रत्येक वर्ष 18 मई को मनाया जाता है।
- यह दिन एचआईवी/एड्स महामारी के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभावों को उजागर करता है और एक सुरक्षित व प्रभावी वैक्सीन की तत्काल आवश्यकता पर जोर देता है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

विश्व एड्स वैक्सीन दिवस का इतिहास

- विश्व एड्स वैक्सीन दिवस की शुरुआत 18 मई 1998 को हुई, जब 1997 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी में एक महत्वपूर्ण भाषण दिया।
- क्लिंटन ने अपने भाषण में कहा, "केवल एक वास्तव में प्रभावी, निवारक एचआईवी वैक्सीन ही एड्स के खतरे को सीमित और अंततः समाप्त कर सकती है।"

18 मई 1998
↓
1997

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

विश्व एड्स वैक्सीन दिवस का इतिहास

- उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय से अगले दस वर्षों में वैक्सीन विकसित करने का लक्ष्य रखने का आह्वान किया।
- इस भाषण की पहली वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए 1998 में पहला विश्व एड्स वैक्सीन दिवस मनाया गया।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

विश्व एड्स वैक्सीन दिवस का इतिहास

- तब से यह दिन वैक्सीन अनुसंधान के महत्व, वैज्ञानिक प्रगति और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने का एक वार्षिक मंच बन गया है।
- यह दिन वैश्विक सहयोग और धन निवेश को प्रोत्साहित करता है, ताकि एचआईवी/एड्स महामारी को समाप्त किया जा सके।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

एड्स के बारे में

- एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनोडिफिशिएंसी सिंड्रोम) एचआईवी (ह्यूमन इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस) के कारण होने वाली एक गंभीर बीमारी है।

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

एड्स के बारे में

- एचआईवी प्रतिरक्षा प्रणाली, विशेष रूप से CD4 कोशिकाओं (T-कोशिकाएं) को कमजोर करता है, जिससे शरीर संक्रामक रोगों और कुछ कैंसर के प्रति संवेदनशील हो जाता है।
- यह वायरस युक्त रक्त, यौन संपर्क, सुई साझा करने, और मां से शिशु में प्रसारित हो सकता है।

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

एड्स के बारे में

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, 2023 तक विश्व में लगभग 39 मिलियन लोग एचआईवी के साथ जी रहे थे, और 6,30,000 लोग एड्स से संबंधित कारणों से मरे।
- हालांकि, एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (ART) ने एचआईवी को प्रबंधनीय बीमारी बना दिया है, लेकिन यह पूर्ण इलाज नहीं है।

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

एचआईवी वैक्सीन अनुसंधान की वर्तमान स्थिति

एचआईवी वैक्सीन अनुसंधान में हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, लेकिन चुनौतियां बरकरार हैं। प्रमुख दृष्टिकोण निम्नलिखित हैं:

व्यापक न्यूट्रलाइजिंग एंटीबॉडी (bNAbs):

- ये वैक्सीन विभिन्न एचआईवी स्ट्रेन को प्रतिरक्षा कोशिकाओं को संक्रमित करने से रोकने के लिए एंटीबॉडी उत्पन्न करती हैं।

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

एचआईवी वैक्सीन अनुसंधान की वर्तमान स्थिति

टी-सेल इम्युनिटी:

- कुछ वैक्सीन उम्मीदवार टी-कोशिकाओं की प्रतिक्रिया को मजबूत करने पर केंद्रित हैं, जो एचआईवी संक्रमण को नियंत्रित करने में मदद करती हैं।

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

एचआईवी वैक्सीन अनुसंधान की वर्तमान स्थिति

mRNA प्लेटफॉर्म:

- कोविड-19 वैक्सीन की सफलता के बाद, mRNA तकनीक का उपयोग एचआईवी प्रोटीन को पहचानने के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रशिक्षित करने में किया जा रहा है। मॉडर्ना और अन्य कंपनियां इस दिशा में क्लिनिकल ट्रायल कर रही हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

एचआईवी वैक्सीन अनुसंधान की वर्तमान स्थिति

मोज़ेक इम्यूनोजेन्स:

- ये वैक्सीन विभिन्न एचआईवी वेरिएंट्स के प्रोटीन खंडों का उपयोग कर व्यापक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न करती हैं।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: एचआईवी/एड्स से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1.एचआईवी मुख्य रूप से CD4 कोशिकाओं को प्रभावित करता है, जिससे प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है।

2. एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (ART) एचआईवी का पूर्ण इलाज है।

3. विश्व एड्स वैक्सीन दिवस की शुरुआत 1998 में भारत में हुई थी

सही उत्तर चुनिए:

A. केवल 1

B. केवल 1 और 3

C. केवल 2 और 3

D. उपर्युक्त सभी

Result Mitra

उत्तर: A. केवल 1

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: एचआईवी वायरस CD4 (T-cells) को कमजोर करता है, जिससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है।
- कथन 2 गलत है: ART इलाज नहीं है, यह केवल वायरस को नियंत्रित करने में मदद करता है, ताकि व्यक्ति सामान्य जीवन जी सके।
- कथन 3 गलत है: विश्व एड्स वैक्सीन दिवस की शुरुआत 18 मई 1998 को हुई, जब 1997 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी में एक महत्वपूर्ण भाषण दिया।

Result Mitra

58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार

UPSC Mains Paper - 1

DAILY CURRENT AFFAIRS

58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में जगद्गुरु रामभद्राचार्य को यह पुरस्कार प्रदान किया।
- इस अवसर पर राष्ट्रपति ने साहित्य के सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह समाज को जोड़ता है और जागरूकता लाता है।

58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- गुलजार इस समारोह में उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन राष्ट्रपति ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।
- यह पुरस्कार भारतीय साहित्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है, और इसकी घोषणा ने साहित्यिक जगत में व्यापक चर्चा उत्पन्न की।

58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार

Result Mitra

ज्ञानपीठ पुरस्कार और इसके मानदंड

- ज्ञानपीठ पुरस्कार भारत का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान है, जिसकी स्थापना 1961 में भारतीय ज्ञानपीठ ट्रस्ट द्वारा की गई थी।
- यह पुरस्कार 1965 से प्रतिवर्ष भारतीय भाषाओं में उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान के लिए दिया जाता है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार

ज्ञानपीठ पुरस्कार और इसके मानदंड

- प्रारंभ में यह पुरस्कार किसी एक कृति के लिए प्रदान किया जाता था, लेकिन 1982 के बाद यह जीवन भर के साहित्यिक योगदान के लिए दिया जाने लगा।
- पुरस्कार में 21 लाख रुपये की राशि, वाग्देवी की प्रतिमा, और एक प्रशस्ति पत्र शामिल होता है।

Result Mitra

58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार

ज्ञानपीठ पुरस्कार और इसके मानदंड

- यह केवल भारतीय नागरिकों को दिया जाता है, जो संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं—असमिया, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिंदी, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मराठी, मणिपुरी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संताली, सिंधी, संस्कृत, तमिल, तेलुगु, और उर्दू—में लिखते हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार

Result Mitra

ज्ञानपीठ पुरस्कार और इसके मानदंड

- चयन प्रक्रिया में साहित्यकारों की रचनाओं की गुणवत्ता, प्रभाव, और भारतीय साहित्य में उनके योगदान का मूल्यांकन किया जाता है।
- यह पुरस्कार मरणोपरांत नहीं दिया जाता।

DAILY

CURRENT AFFAIRS

58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार

जगद्गुरु रामभद्राचार्य

- जगद्गुरु रामभद्राचार्य, जिन्हें 1982 से रामानंद संप्रदाय के चार जगद्गुरुओं में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है, ने संस्कृत, हिंदी, अवधी, और मैथिली सहित 22 भारतीय भाषाओं में 100 से अधिक पुस्तकों की रचना की है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार

Result Mitra

जगद्गुरु रामभद्राचार्य

- चित्रकूट में तुलसी पीठ के संस्थापक, रामभद्राचार्य ने शारीरिक दृष्टिबाधा के बावजूद अपनी अंतर्दृष्टि से साहित्य और समाज की सेवा की।
- उनकी रचनाओं में भारतीय दर्शन और अध्यात्म का गहन प्रभाव देखा जाता है।
- 2015 में उन्हें पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनके योगदान को "दिव्य दृष्टिकोण" से प्रेरित बताते हुए उनकी प्रशंसा की।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार

Result Mitra

गुलजार

- गुलजार, जिनका वास्तविक नाम संपूर्ण सिंह कालरा है, हिंदी सिनेमा और उर्दू साहित्य के प्रसिद्ध कवि और गीतकार हैं।
- उनकी कविताएँ और गीत भावनात्मक गहराई और सौंदर्य के लिए जाने जाते हैं।

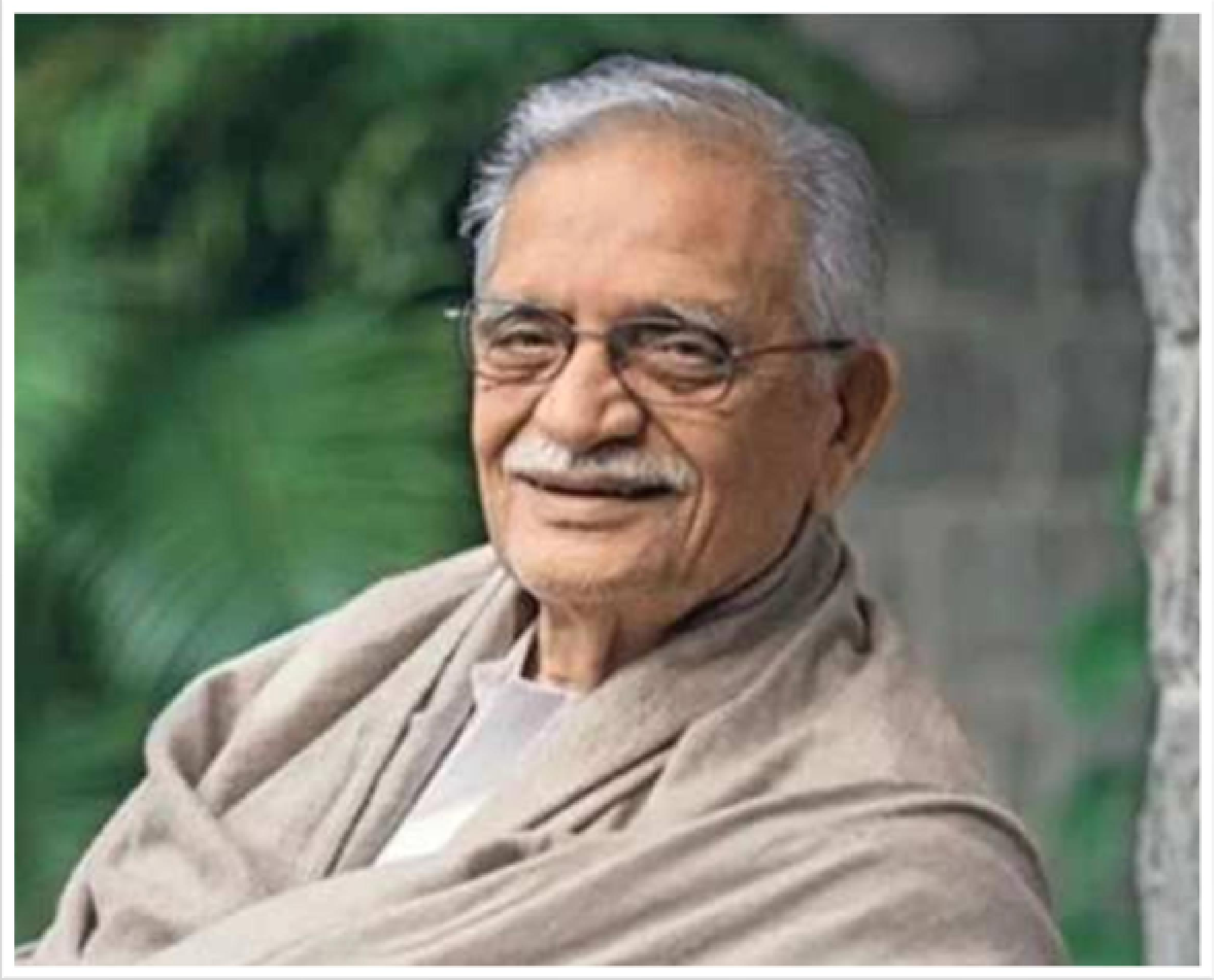

DAILY CURRENT AFFAIRS

58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार

गुलजार

- गुलजार को 2002 में साहित्य अकादमी पुरस्कार, 2004 में पद्म भूषण, और 2013 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार सहित कई सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।
- उनकी रचनाएँ आधुनिक उर्दू साहित्य को नई दिशा देती हैं और सामाजिक संवेदनाओं को दर्शाती हैं।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार

उल्लेखनीय विगत विजेता

- **जी. शंकर कुरुप (1965):** मलयालम साहित्य के प्रथम विजेता, जिन्हें "द ग्रेट पोएट जी" के नाम से जाना जाता है।
- **आशापूर्णा देवी (1976):** प्रथम महिला विजेता, बंगाली साहित्य में योगदान के लिए।
- **अमृता प्रीतम:** पंजाबी साहित्य में उनके योगदान के लिए।
- **महादेवी वर्मा:** हिंदी साहित्य की छायावादी कवयित्री।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार

Result Mitra

उल्लेखनीय विगत विजेता

- नीलमणि फूकन जूनियर (2020): असमिया कवि।
- दामोदर मौजो (2021): कोंकणी उपन्यासकार।
- अमिताव घोष (2018): अंग्रेजी साहित्य में प्रथम विजेता।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ज्ञानपीठ पुरस्कार केवल भारतीय नागरिकों को ही प्रदान किया जाता है।
2. वर्ष 1982 के बाद से यह पुरस्कार साहित्यकार के जीवन भर के साहित्यिक योगदान के लिए दिया जाने लगा है।
3. ज्ञानपीठ पुरस्कार को वर्ष 1961 से प्रतिवर्ष प्रदान किया जा रहा है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

A. केवल 1 और 2

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 3

D. उपर्युक्त सभी

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

उत्तर: A. केवल 1 और 2

व्याख्या:

➢ कथन 1 सही है: ज्ञानपीठ पुरस्कार केवल भारतीय नागरिकों को ही दिया जाता है, जो आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाओं में लिखते हैं।

➢ कथन 2 सही है: 1982 के बाद यह पुरस्कार जीवन भर के योगदान के लिए दिया जाने लगा।

➢ कथन 3 गलत है: पुरस्कार की स्थापना 1961 में हुई थी, लेकिन इसे प्रथम बार 1965 में प्रदान किया गया था।

ऑपरेशन आहट

UPSC Mains Paper - 1 & 3

DAILY CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन आहट

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- मानव तस्करी भारत में एक गंभीर सामाजिक समस्या है, और इसके खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत रेलवे सुरक्षा बल (RPF) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- हाल ही में, बिहार के रक्सौल रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने ऑपरेशन आहट के तहत चार नाबालिग लड़कियों को मानव तस्करों से बचाया, जिसने इस अभियान को सुर्खियों में ला दिया।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन आहट

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- यह ऑपरेशन रेलवे नेटवर्क में मानव तस्करी को रोकने के लिए आरपीएफ की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- 2024-25 में इस अभियान के तहत 929 पीड़ितों, जिनमें 874 बच्चे शामिल हैं, को बचाया गया और 274 तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

ऑपरेशन आहट

Result Mitra

ऑपरेशन आहट के बारे में

- ऑपरेशन आहट, जिसे फरवरी 2022 में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा शुरू किया गया, मानव तस्करी को रोकने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान है।
- इसका उद्देश्य विशेष रूप से लंबी दूरी की ट्रेनों और सीमावर्ती क्षेत्रों से चलने वाली रेलगाड़ियों में तस्करी को रोकना है, जो तस्करों के लिए पसंदीदा मार्ग हैं।

ऑपरेशन आहट

Result Mitra

ऑपरेशन आहट के बारे में

- इस अभियान के तहत आरपीएफ विशेष बलों की तैनाती करती है, जो खासकर महिलाओं और बच्चों को तस्करों से बचाने पर केंद्रित हैं।
- ऑपरेशन आहट में आधुनिक तकनीकों जैसे चेहरे की पहचान प्रणाली, सीसीटीवी निगरानी, और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग किया जाता है।

ऑपरेशन आहट

Result Mitra

ऑपरेशन आहट के बारे में

- यह अभियान अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों, जैसे राजकीय रेलवे पुलिस (GRP), सशस्त्र सीमा बल (SSB), और गैर-सरकारी संगठनों के साथ समन्वय में कार्य करता है।
- 2024 में इस पहल ने 14,756 बच्चों को तस्करी और शोषण से बचाया, जो इसकी प्रभावशीलता को दर्शाता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन आहट

Result Mitra

भारत में मानव तस्करी: पैटर्न और संवेदनशील क्षेत्र

- मानव तस्करी भारत में एक संगठित अपराध के रूप में फैली हुई है, जिसमें नाबालिगों, विशेषकर लड़कियों और कमजोर वर्गों को निशाना बनाया जाता है।
- तस्कर अक्सर नौकरी, शिक्षा, या रिश्तेदारों से मिलने के झूठे वादों का सहारा लेते हैं।
- रेलवे नेटवर्क, विशेष रूप से लंबी दूरी की ट्रेनें, तस्करों के लिए सुगम परिवहन साधन हैं, क्योंकि ये कम लागत में बड़े क्षेत्रों को कवर करती हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन आहट

Result Mitra

भारत में मानव तस्करी: पैटर्न और संवेदनशील क्षेत्र

- संवेदनशील क्षेत्रों में भारत-नेपाल और भारत-बांग्लादेश जैसे सीमावर्ती क्षेत्र शामिल हैं, जहां रक्सौल (बिहार), सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल), और गुवाहाटी (असम) जैसे रेलवे स्टेशन तस्करी के लिए हॉटस्पॉट हैं।
- ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर क्षेत्रों, जैसे बिहार, झारखंड, और उत्तर प्रदेश, में गरीबी और जागरूकता की कमी के कारण लोग आसानी से तस्करों के जाल में फंस जाते हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन आहट

भविष्य के उपाय

तकनीकी उन्नति:

- रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी निगरानी और चेहरे की पहचान प्रणाली को और व्यापक करना।

जागरूकता अभियान:

- ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा देना, ताकि लोग तस्करों के झूठे वादों से बच सकें।

ऑपरेशन आहट

Result Mitra

भविष्य के उपाय

अंतर-एजेंसी समन्वय:

- आरपीएफ, जीआरपी, और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और सूचना साझा करना।

कानूनी कार्रवाई:

- तस्करों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और पीड़ितों के पुनर्वास के लिए प्रभावी नीतियां लागू करना।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन आहट

Result Mitra

भविष्य के उपाय

सार्वजनिक भागीदारी:

- रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 के माध्यम से यात्रियों को संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के लिए प्रोत्साहित करना।

DAILY CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन आहट

हालिया अन्य अभियान

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते:

- यह आरपीएफ का एक अन्य अभियान है, जो रेलवे स्टेशनों पर अकेले या छोड़े गए बच्चों को बचाने पर केंद्रित है। जनवरी 2022 में 1,045 बच्चों को बचाया गया। 2024 में पूर्व मध्य रेलवे में 444 बच्चों को तस्करों से मुक्त कराया गया।

Result Mitra

DAILY
CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन आहट

Result Mitra

हालिया अन्य अभियान

ऑपरेशन मेरी सहेली:

- यह अभियान महिला यात्रियों, विशेषकर अकेले यात्रा करने वाली महिलाओं की सुरक्षा के लिए शुरू किया गया है। 2022 में 2.25 लाख से अधिक महिलाओं को सुरक्षा प्रदान की गई।

DAILY CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन आहट

Result Mitra

हालिया अन्य अभियान

ऑपरेशन यात्री सुरक्षाः

- यात्री-संबंधी अपराधों के खिलाफ आरपीएफ और राज्य पुलिस के सहयोग से चलाया गया अभियान, जिसमें 2022 में 300 से अधिक अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: ऑपरेशन आहट के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1.यह एक राष्ट्रव्यापी अभियान है जिसे रेलवे सुरक्षा बल ने मानव तस्करी रोकने के लिए 2022 में शुरू किया था।

2. इस अभियान में सिर्फ महिलाओं को तस्करी से बचाने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है.

3. इस अभियान में अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों और गैर-सरकारी संगठनों के साथ समन्वय में काम किया जाता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

A. केवल 1 और 3

B. केवल 1 और 2

C. केवल 2 और 3

D. सभी कथन सही हैं

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

उत्तर: A. केवल 1 और 3

स्पष्टीकरण:

- कथन 1 सही है: ऑपरेशन आहट की शुरुआत फरवरी 2022 में RPF ने मानव तस्करी के खिलाफ की थी।
- कथन 2 गलत है: यह अभियान महिलाओं और बच्चों दोनों को बचाने पर केंद्रित है, और इसमें चेहरे की पहचान तकनीक, CCTV, डेटा एनालिटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रयोग होता है।
- कथन 3 सही है: यह अभियान GRP, SSB, और NGOs जैसी एजेंसियों के साथ समन्वय में काम करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

UPSC Mains Paper - 2

Result Mitra

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- 14 मई 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने 2017 की रक्तदान नीति, जो ट्रांसजेंडर, समलैंगिक पुरुषों और यौनकर्मियों पर रक्तदान के लिए पूर्ण प्रतिबंध लगाती है, के "भेदभावपूर्ण" पहलू को हटाने के लिए केंद्र सरकार को विशेषज्ञों की राय लेने का निर्देश दिया।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

चर्चा में क्यों?

- कोर्ट ने कहा कि इससे "भेदभाव, पक्षपात और पूर्वाग्रह" बढ़ते हैं।
- यह मामला ट्रांसजेंडर समुदाय के स्वास्थ्य अधिकारों और समानता की मांग को लेकर चर्चा में है, क्योंकि यह नीति संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता), 15 (गैर-भेदभाव) और 21 (जीवन का अधिकार) का उल्लंघन करती है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

Result Mitra

पूरा मामला क्या है?

- 2017 में राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद (एनबीटीसी) और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ) द्वारा जारी "रक्तदाता चयन और रक्तदाता रेफरल दिशानिर्देश" में ट्रांसजेंडर, समलैंगिक पुरुषों और सेक्स वर्कर को रक्तदान से स्थायी रूप से प्रतिबंधित किया गया।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

पूरा मामला क्या है?

- मणिपुर की ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता थंगजम सांता सिंह (सांता खुराई) ने 2021 में इस नीति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की, जिसमें दावा किया गया कि यह नीति भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक है।

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

Result Mitra

पूरा मामला क्या है?

- 2023 में केंद्र ने जवाब दिया कि यह प्रतिबंध वैज्ञानिक साक्ष्यों पर आधारित है, क्योंकि इन समूहों में एचआईवी, हेपेटाइटिस बी और सी का जोखिम अधिक है।
- हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने 2025 में केंद्र से पूछा कि क्या सभी ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को जोखिम भरा मानना उचित है, और विशेषज्ञों से परामर्श कर इस भेदभाव को दूर करने का निर्देश दिया।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

Result Mitra

2017 के दिशानिर्देश क्या कहते हैं?

2017 के दिशानिर्देशों का उद्देश्य सुरक्षित, पर्याप्त और समय पर रक्त आपूर्ति सुनिश्चित करना है। इसमें खंड 12 और 51 पर विशेष ध्यान दिया गया:

खंड 12:

- रक्तदाता को रक्त संचारण से होने वाली बीमारियों से मुक्त होना चाहिए, और उसे एचआईवी, हेपेटाइटिस बी या सी के लिए "जोखिम भरे" समूहों में नहीं होना चाहिए, जिसमें ट्रांसजेंडर, समलैंगिक पुरुष, यौनकर्मी, नशीली दवाओं का उपयोग करने वाले और एक से अधिक यौन साथी वाले व्यक्ति शामिल हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

Result Mitra

2017 के दिशानिर्देश क्या कहते हैं?

खंड 51:

- इन समूहों को रक्तदान से स्थायी रूप से प्रतिबंधित करता है।
- केंद्र का तर्क है कि इन समूहों में एचआईवी और हेपेटाइटिस का जोखिम 6 से 13 गुना अधिक है, और भारत में अधिकांश रक्त बैंक गैर-न्यूक्लिक एसिड टेस्टिंग (एनएटी) तकनीक का उपयोग करते हैं, जिसमें 10-33 दिनों का "विंडो पीरियड" होता है, जब संक्रमण का पता नहीं लगाया जा सकता।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

Result Mitra

ट्रांसजेंडर समुदाय के स्वास्थ्य देखभाल अधिकार

कानूनी मुद्दे:

- याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि यह प्रतिबंध संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है, क्योंकि यह लैंगिक पहचान और यौन रुझान के आधार पर भेदभाव करता है।
- सुप्रीम कोर्ट के फैसले, जैसे एनएएलएसए बनाम भारत सरकार (2014) और नवतेज जोहर बनाम भारत सरकार (2018), ने ट्रांसजेंडर और एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के समानता और सम्मान के अधिकार को मान्यता दी है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

Result Mitra

ट्रांसजेंडर समुदाय के स्वास्थ्य देखभाल अधिकार

नैतिक मुद्दे

- यह नीति ट्रांसजेंडर समुदाय को कलंकित करती है, जिससे सामाजिक और स्वास्थ्य देखभाल में भेदभाव बढ़ता है।
- यह नीति यह मान लेती है कि सभी ट्रांसजेंडर व्यक्ति जोखिम भरे व्यवहार में शामिल हैं, जो गलत और अपमानजनक है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

Result Mitra

ट्रांसजेंडर समुदाय के स्वास्थ्य देखभाल अधिकार

नैतिक मुद्दे

- विशेषज्ञों का कहना है कि रक्तदान नीतियों को व्यक्तिगत जोखिम व्यवहार पर आधारित होना चाहिए, न कि सामूहिक पहचान पर।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

Result Mitra

राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद की भूमिका

- राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद (NBTC) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत रक्त आधान सेवाओं को विनियमित करती है।
- यह दिशानिर्देश तैयार करती है, जो रक्त की सुरक्षा, गुणवत्ता और उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

Result Mitra

राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद की भूमिका

- एनबीटीसी का तर्क है कि प्रतिबंध वैज्ञानिक साक्ष्यों पर आधारित है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसकी समीक्षा की मांग की है ताकि भेदभावपूर्ण तत्वों को हटाया जा सके।
- एनबीटीसी को अब विशेषज्ञों के साथ परामर्श कर नई नीति प्रस्तावित करनी होगी।

DAILY CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

Result Mitra

भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय

5.8 लाख

- 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय की जनसंख्या लगभग 4.8 लाख है।
- यह समुदाय सामाजिक भेदभाव, शिक्षा और रोजगार में अवसरों की कमी, और स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच जैसी चुनौतियों का सामना करता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

Result Mitra

भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय

- सुप्रीम कोर्ट के 2014 के NALSA निर्णय और ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 ने इन्हें 3rd Gender के रूप में मान्यता दी, जिससे कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

Result Mitra

भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय

स्थिति

- ट्रांसजेंडर समुदाय को सामाजिक कलंक, परिवार द्वारा अस्वीकृति, और पुलिस उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है।
- साक्षरता दर 56.1% है, जो राष्ट्रीय औसत (74%) से कम है।

74%

56.1

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय

स्थिति

- बेरोजगारी और बेघर होने की समस्या आम है।
- स्वास्थ्य सेवाओं में असमानता, विशेष रूप से एचआईवी निगरानी और लिंग पुनर्निर्धारण सर्जरी तक पहुंच में कमी, उनकी चुनौतियों को बढ़ाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

Result Mitra

भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय

कल्याणकारी कार्यक्रम

- **ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019:** यह शिक्षा, रोजगार, और स्वास्थ्य सेवाओं में भेदभाव पर रोक लगाता है और पहचान पत्र जारी करने की सुविधा देता है।
- **राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर पोर्टल:** यह डिजिटल रूप से पहचान पत्र के लिए आवेदन और उनकी स्थिति को ट्रैक करने में मदद करता है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांस व्यक्तियों पर रक्तदान प्रतिबंध पर विशेषज्ञ की मांगी राय

Result Mitra

भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय

कल्याणकारी कार्यक्रम

- **गरिमा गृह:** ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए आश्रय गृह और पुनर्वास सुविधाएँ प्रदान करता है।
- **राज्य-स्तरीय प्रयास:** केरल और महाराष्ट्र ने ट्रांसजेंडर के लिए छात्रावास, आरक्षण, और समावेशी शिक्षा नीतियाँ शुरू की हैं।
- **स्वास्थ्य पहल:** सरकार ने एचआईवी निगरानी केंद्र और चिकित्सा बीमा योजनाएँ शुरू की हैं।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: ट्रांसजेंडर समुदाय की स्थिति और कल्याणकारी उपायों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1.2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय की जनसंख्या लगभग 4.8 लाख थी।

2. ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 पहचान पत्र और भेदभाव से संरक्षण की व्यवस्था करता है।

3. "गरिमा गृह" योजना का उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को छात्रवृत्ति और शिक्षा ऋण प्रदान करना है।

सही उत्तर चुनिए:

A. केवल 1 और 2

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 3

D. उपर्युक्त सभी

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

उत्तर: A. केवल 1 और 2

व्याख्या:

- ➢कथन 1 सही है: जनगणना 2011 के अनुसार ट्रांसजेंडर जनसंख्या लगभग 4.8 लाख (0.48 मिलियन) थी।
- ➢कथन 2 सही है: 2019 का अधिनियम पहचान, शिक्षा, रोजगार, और स्वास्थ्य में भेदभाव को रोकता है।
- ➢कथन 3 गलत है: गरिमा गृह योजना का उद्देश्य आश्रय और पुनर्वास सुविधा देना है, न कि छात्रवृत्ति या शिक्षा ऋण।

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

UPSC Mains Paper - 3

Result Mitra

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- भारत का 'समुद्रयान' मिशन, जो 2026 के अंत तक लॉन्च होने की उम्मीद है, देश का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- यह मिशन भारत को उन चुनिंदा देशों (अमेरिका, रूस, फ्रांस, जापान, चीन) की श्रेणी में शामिल करेगा, जिनके पास गहरे समुद्र अन्वेषण की तकनीकी क्षमता है।
- हाल ही में केंद्रीय बजट में इसके लिए 600 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, जिसने इसे और सुर्खियों में ला दिया।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

क्या है पूरा मामला?

- 'समुद्रयान' मिशन को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) ने जून 2021 में शुरू किया।
- इसका उद्देश्य तीन वैज्ञानिकों को 'मत्स्य-6000' नामक पनडुब्बी में 6,000 मीटर की गहराई तक भेजना है, ताकि समुद्र के संसाधनों, जैव-विविधता और पर्यावरण का अध्ययन किया जा सके।

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

क्या है पूरा मामला?

- राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (NIOT), चेन्नई द्वारा विकसित इस मिशन का पहला परीक्षण 2026 में बंगाल की खाड़ी में 500 मीटर की गहराई तक किया जाएगा।
- यह मिशन डीप ओशन मिशन का हिस्सा है, जिसकी कुल लागत 4,077 करोड़ रुपये है और यह ब्लू इकोनॉमी विजन 2026 का समर्थन करता है।

DAILY

CURRENT AFFAIRS

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

क्या है पूरा मामला?

- मिशन का लक्ष्य समुद्री संसाधनों का सतत उपयोग, जलवायु परिवर्तन अध्ययन और समुद्री पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ावा देना है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

'मत्स्य-6000' के बारे में

- 'समुद्रयान' मिशन का मुख्य उपकरण 'मत्स्य-6000' है, जो एक स्वदेशी, चौथी पीढ़ी की मानव-सवार पनडुब्बी है।
- इसे NIOT ने टाइटेनियम मिश्र धातु से बनाया है, जो अत्यधिक दबाव और तापमान को सहन कर सकती है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

'मत्स्य-6000' के बारे में

इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं:

- **क्षमता:** तीन वैज्ञानिकों को 6,000 मीटर की गहराई तक ले जाने में सक्षम।
- **संचालन समय:** सामान्य परिस्थितियों में 12 घंटे और आपातकाल में 96 घंटे की सहनशक्ति।

DAILY CURRENT AFFAIRS

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

'मत्स्य-6000' के बारे में

इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं:

- **विशेषताएं:** वैज्ञानिक सेंसर, रिमोटली ऑपरेटेड वाहन (ROV), और स्वायत्त अंडरवाटर वाहन (AUV) से लैस।
- **निर्माण:** 2.1 मीटर व्यास का टाइटेनियम पतवार, जो 25 टन वजन को सहन करता है।

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra™

'मत्स्य-6000' के बारे में

इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं:

- 'मत्स्य-6000' को भारत के अनुसंधान पोत 'सागर निधि' द्वारा तैनात और पुनर्प्राप्त किया जाएगा।
- यह मिशन समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को न्यूनतम क्षति के साथ अन्वेषण पर केंद्रित है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

डीप ओशन मिशन के बारे में

- डीप ओशन मिशन (DOM) को जून 2021 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी थी। यह 4,077 करोड़ रुपये की लागत से पांच वर्षों में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। इसका उद्देश्य समुद्री संसाधनों का सतत उपयोग और गहरे समुद्र में प्रौद्योगिकी विकास है।

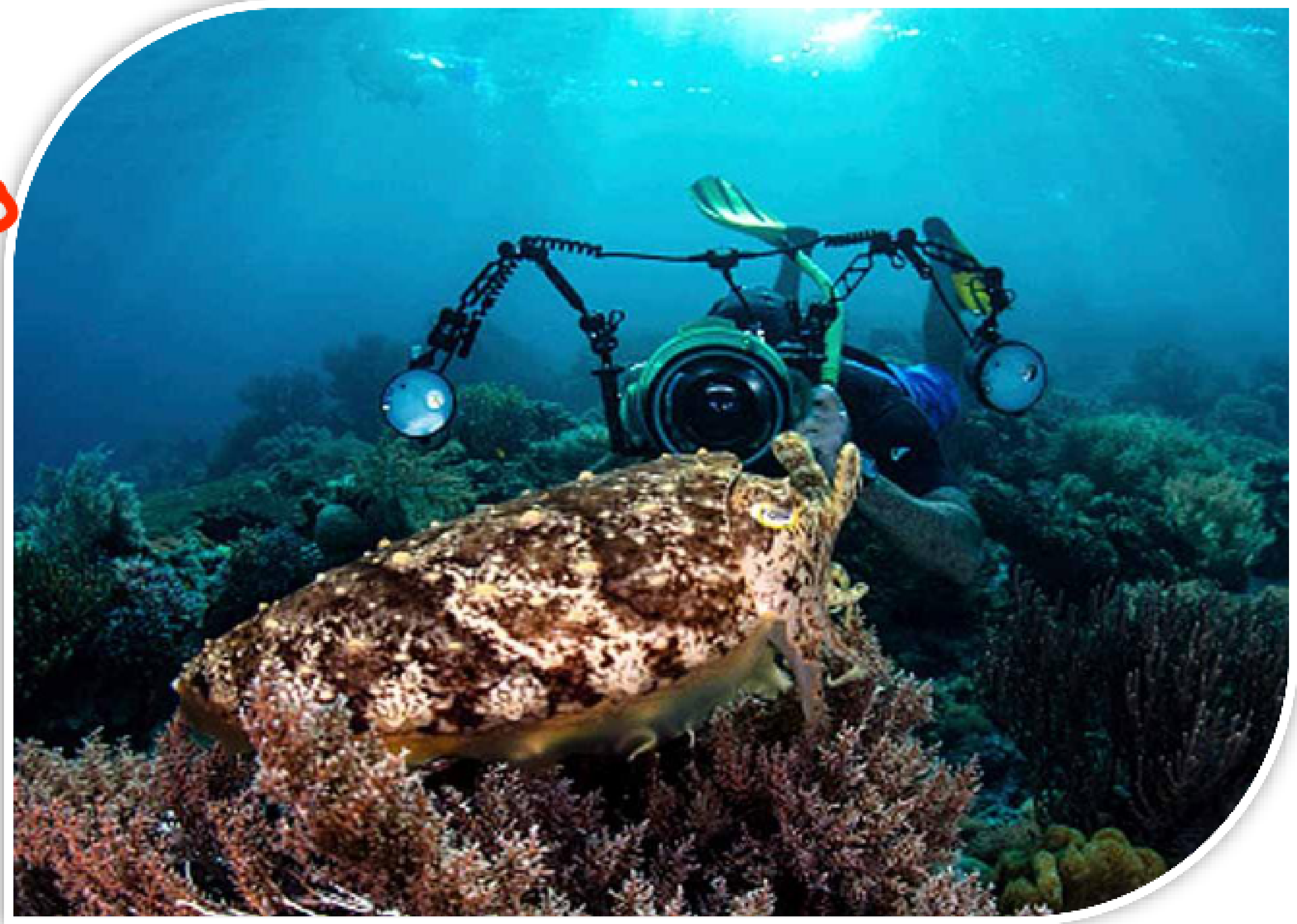

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

डीप ओशन मिशन के बारे में

मिशन के छह प्रमुख घटक हैं:

- 1. मानव-सवार पनडुब्बी का विकास: 'समुद्रयान' और 'मत्स्य-6000' का निर्माण।
- 2. जैव-विविधता अन्वेषण: समुद्री जीवों और पानी की विशेषताओं का अध्ययन।
- 3. पॉलीमेटेलिक नोड्यूल खनन: कोबाल्ट, निकल, मैंगनीज जैसे खनिजों की खोज 1,000-5,500 मीटर की गहराई पर।

DAILY CURRENT AFFAIRS

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

डीप ओशन मिशन के बारे में

मिशन के छह प्रमुख घटक हैं:

- 4.महासागर जलवायु परामर्श सेवाएं: जलवायु परिवर्तन और समुद्र स्तर वृद्धि का अध्ययन।
- 5.समुद्री जीव विज्ञान स्टेशन: समुद्री जीव विज्ञान और जैव-प्रौद्योगिकी अनुसंधान के लिए केंद्र।

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

डीप ओशन मिशन के बारे में

मिशन के छह प्रमुख घटक हैं:

- 6.उन्नत समुद्री अवलोकन प्रणाली: सेंसर और AI आधारित प्रणालियों का विकास।

यह मिशन संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य-14 (जल के नीचे जीवन) के अनुरूप है और भारत की ब्लू इकोनॉमी को बढ़ावा देता है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

एनआईओटी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की भूमिका

राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (NIOT):

- चेन्नई में स्थित, NIOT इस मिशन की नोडल एजेंसी है। यह 'मत्स्य-6000' के डिजाइन और निर्माण के साथ-साथ ROV, AUV, और स्वायत्त कोरिंग सिस्टम जैसे उपकरण विकसित कर रहा है।
- NIOT ने 'समुद्रजीवाह' तकनीक भी विकसित की है, जो खुले समुद्र में मछली पालन के लिए इलेक्ट्रॉनिक निगरानी वाले पिंजरे प्रदान करती है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

एनआईओटी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की भूमिका

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES):

- यह मिशन का नोडल मंत्रालय है, जो नीति निर्माण, वित्तीय आवंटन (600 करोड़ रुपये हालिया बजट में), और समन्वय का कार्य करता है। MoES ब्लू इकोनॉमी और समुद्री अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अन्य संस्थानों जैसे ICAR-CMFRI के साथ सहयोग करता है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

गहरे समुद्र में खनन का महत्व

संसाधन उपलब्धता:

- पॉलीमेटेलिक नोड्यूल, गैस हाइड्रेट्स, हाइड्रो-थर्मल सल्फाइड, और कोबाल्ट क्रस्ट जैसे संसाधन स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, और औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।

आर्थिक विकास:

- खनन से ब्लू इकोनॉमी को बढ़ावा मिलेगा, जिससे मत्स्य पालन, जलीय कृषि, और समुद्री पर्यटन में रोजगार सृजन होगा।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

गहरे समुद्र में खनन का महत्व

रणनीतिक लाभः

- समुद्री संसाधनों का नियंत्रण भारत को वैश्विक संसाधन कूटनीति में मजबूत स्थिति प्रदान करेगा।

पर्यावरणीय अध्ययनः

- खनन के साथ-साथ जैव-विविधता और पर्यावरणीय प्रभावों का अध्ययन पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण में मदद करेगा।

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

गहरे समुद्र में खनन का महत्व

पर्यावरणीय अध्ययन:

- हालांकि, खनन से ध्वनि, प्रकाश प्रदूषण, और रासायनिक रिसाव का खतरा है, जिसके लिए सख्त पर्यावरणीय प्रोटोकॉल की आवश्यकता है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

ब्लू इकोनॉमी विजन

ब्लू इकोनॉमी विजन 2026 भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य का हिस्सा है। यह समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग पर केंद्रित है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

आर्थिक योगदान:

- मत्स्य पालन, जलीय कृषि, समुद्री पर्यटन, और ब्लू ट्रेड को बढ़ावा देना।

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

ब्लू इकोनॉमी विजन

खाद्य सुरक्षा:

- 'समुद्रजीवाह' जैसे नवाचारों के माध्यम से मछली पालन को बढ़ावा।

नवाचार और रोजगार:

- गहरे समुद्र प्रौद्योगिकी और अनुसंधान से MSME और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन।

भारत का पहला मानव-सवार डीप ओशन मिशन 'समुद्रयान'

Result Mitra

ब्लू इकोनॉमी विजन

पर्यावरण संरक्षण:

- सतत खनन और जैव-विविधता संरक्षण के लिए तकनीकी विकास।
- 'समुद्रयान' मिशन इस विजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो भारत के 7,517 किमी लंबे समुद्री तट और 1,382 द्वीपों के संसाधनों का उपयोग करेगा।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: 'समुद्रयान' मिशन और 'मत्स्य-6000' से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1.मत्स्य-6000 को टाइटेनियम मिश्र धातु से बनाया गया है।

2. यह सामान्य स्थिति में 12 घंटे और आपातकाल में 96 घंटे तक कार्य कर सकता है।

3. यह मिशन मुख्यतः समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने के उद्देश्य से है।

सही उत्तर चुनिए:

A. केवल 1 और 2

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 3

D. उपर्युक्त सभी

Result Mitra

उत्तर: A. केवल 1 और 2

स्पष्टीकरण:

- कथन 1 सही है: मत्स्य-6000 को NIOT (National Institute of Ocean Technology) द्वारा टाइटेनियम मिश्र धातु से बनाया गया है।
- कथन 2 सही है: इसका संचालन समय सामान्यतः 12 घंटे और आपात स्थिति में 96 घंटे है।
- कथन 3 गलत है: यह मिशन पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने के लिए नहीं, बल्कि अन्वेषण के लिए है – जैसे समुद्र की गहराई में खनिज और वैज्ञानिक अध्ययन।

Result Mitra

बिहार सरकार ने गया शहर का नाम बदलकर 'गया जी' रखा

UPSC Prelims Paper - 1

DAILY CURRENT AFFAIRS

बिहार सरकार ने गया शहर का नाम बदलकर 'गया जी' रखा

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में बिहार सरकार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में गया शहर का नाम बदलकर 'गया जी' करने का फैसला लिया।
- यह निर्णय शहर के ऐतिहासिक, पौराणिक और धार्मिक महत्व को सम्मान देने के साथ-साथ स्थानीय जनभावनाओं को ध्यान में रखकर लिया गया।

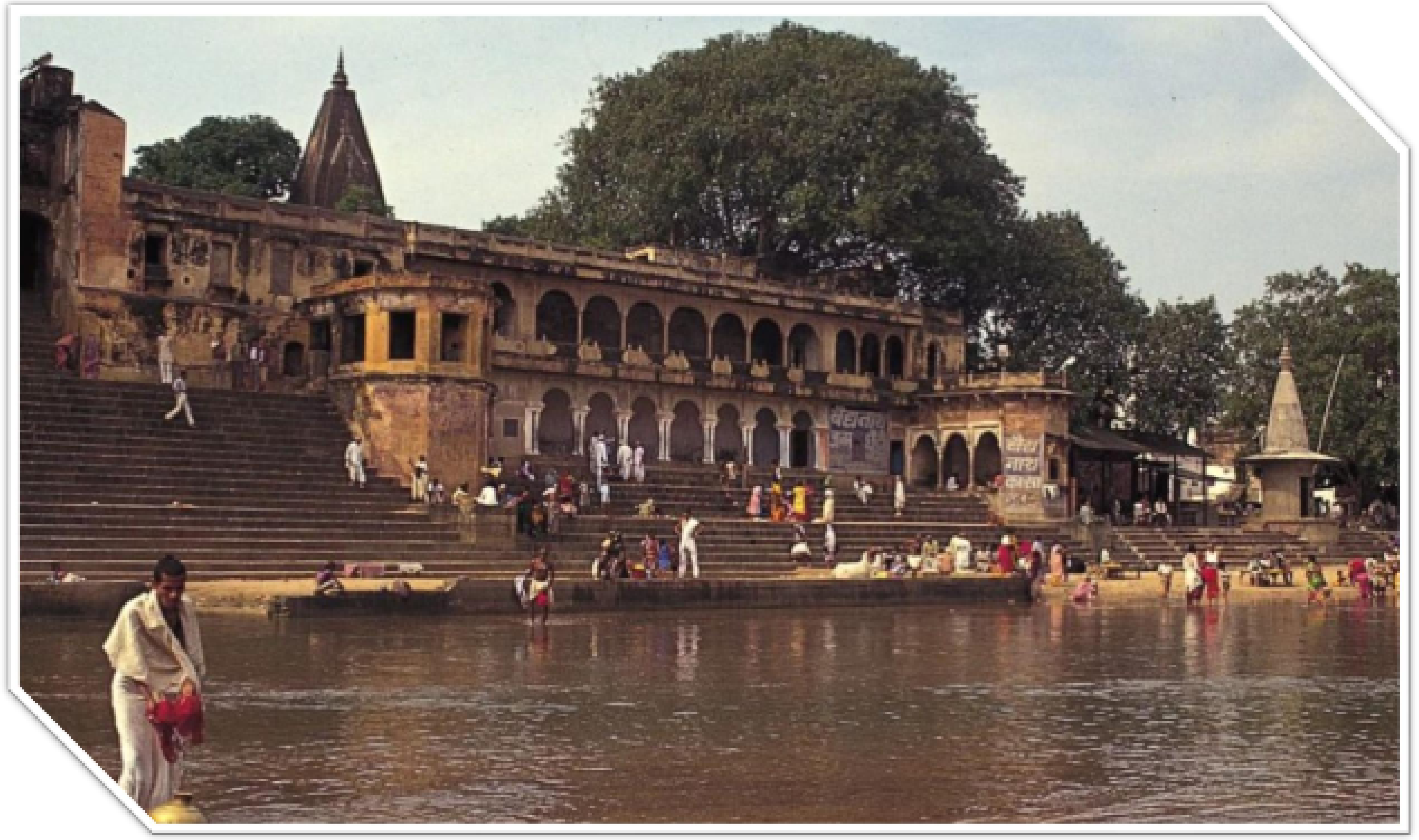

बिहार सरकार ने गया शहर का नाम बदलकर 'गया जी' रखा

Result Mitra

गया का इतिहास

- गया, बिहार का दूसरा सबसे बड़ा शहर, प्राचीन मगध साम्राज्य का हिस्सा रहा है।
- रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों में गया का उल्लेख है, जहां भगवान राम, सीता और लक्ष्मण ने अपने पिता दशरथ के लिए पिंडदान किया था।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

बिहार सरकार ने गया शहर का नाम बदलकर 'गया जी' रखा

Result Mitra

गया का इतिहास

- वायु पुराण के अनुसार, गया का नाम असुर गयासुर से लिया गया, जिसने भगवान विष्णु से आशीर्वाद प्राप्त कर अपनी देह को पवित्र बनाया, जो अब गया की पहाड़ियों के रूप में विद्यमान है।
- 6वीं शताब्दी ईसा पूर्व में शिशुनाग वंश, फिर नंद और मौर्य वंश के शासन में गया ने वैश्विक पहचान बनाई।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

बिहार सरकार ने गया शहर का नाम बदलकर 'गया जी' रखा

गया का इतिहास

- मौर्य सम्राट अशोक ने बोधगया में पहला मंदिर बनवाया, जो बौद्ध धर्म का केंद्र बना।
- स्वतंत्रता संग्राम में भी गया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जब 1922 में यहां भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 37वां अधिवेशन देशबंधु चित्तरंजन दास की अध्यक्षता में हुआ।

बिहार सरकार ने गया शहर का नाम बदलकर 'गया जी' रखा

Result Mitra

गया का इतिहास

- स्वामी सहजानंद सरस्वती ने 1936 में गया के नेयामतपुर में अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना की, जो बिहार में स्वतंत्रता आंदोलन का केंद्र बना।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

बिहार सरकार ने गया शहर का नाम बदलकर 'गया जी' रखा

धार्मिक महत्व

- गया हिंदू, बौद्ध और जैन धर्मों के लिए पवित्र स्थल है।

हिंदू धर्म:

- गया को पिंडदान का प्रमुख केंद्र माना जाता है, जहां लाखों श्रद्धालु पितृपक्ष (सितंबर-अक्टूबर) में अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान करते हैं।

Result Mitra

DAILY
CURRENT AFFAIRS

बिहार सरकार ने गया शहर का नाम बदलकर 'गया जी' रखा

Result Mitra

धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म:

- विष्णुपद मंदिर, फल्गू नदी के तट पर स्थित, भगवान विष्णु के चरण चिह्न वाला एक प्राचीन मंदिर है, जिसे 1787 में इंदौर की रानी अहिल्याबाई ने पुनर्निर्मित करवाया। अक्षयवट, फल्गू नदी के किनारे एक पवित्र पीपल का पेड़, पिंडदान के लिए महत्वपूर्ण है।

बनारस
↓
दशाश्वमेध घाट
मणिकर्णिका घाट

DAILY
CURRENT AFFAIRS

बिहार सरकार ने गया शहर का नाम बदलकर 'गया जी' रखा

धार्मिक महत्व

बौद्ध धर्म:

- गया से 10 किमी दूर बोधगया में महाबोधि मंदिर, एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, वह स्थान है जहां गौतम बुद्ध ने बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया। डुंगेश्वरी गुफाएं, जहां बुद्ध ने तपस्या की, भी महत्वपूर्ण हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

बिहार सरकार ने गया शहर का नाम बदलकर 'गया जी' रखा

Result Mitra

धार्मिक महत्व

जैन धर्म:

- गया में जैन मंदिर और पास के पावापुरी में महावीर की निर्वाण-स्थली इसे जैनियों के लिए पवित्र बनाती है।
- फल्गू नदी, जिसे रामायण में निरंजना कहा गया, गया की धार्मिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है। यह नदी मानसून को छोड़कर सूखी रहती है, लेकिन इसके नीचे पानी बहता है, जिसे सीता के शाप से जोड़ा जाता है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

बिहार सरकार ने गया शहर का नाम बदलकर 'गया जी' रखा

पर्यटन नगरी

गया एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो धार्मिक और ऐतिहासिक आकर्षणों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है।

विष्णुपद मंदिर:

- भगवान विष्णु के चरण-चिह्न वाला यह मंदिर हिंदू तीर्थयात्रियों का प्रमुख केंद्र है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

बिहार सरकार ने गया शहर का नाम बदलकर 'गया जी' रखा

पर्यटन नगरी

महाबोधि मंदिर:

- बोधगया में स्थित यह मंदिर बौद्ध तीर्थयात्रियों के लिए वैश्विक आकर्षण है, जहां जापान, श्रीलंका, चीन, थाईलैंड आदि देशों के मठ और मंदिर हैं।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

बिहार सरकार ने गया शहर का नाम बदलकर 'गया जी' रखा

पर्यटन नगरी

बराबर गुफाएं:

- मौर्य काल की ये प्राचीन चट्टान-कटी गुफाएं, जो गया से 24 किमी दूर हैं, भारत की सबसे पुरानी गुफाएं हैं और अजिविका संप्रदाय से जुड़ी हैं।

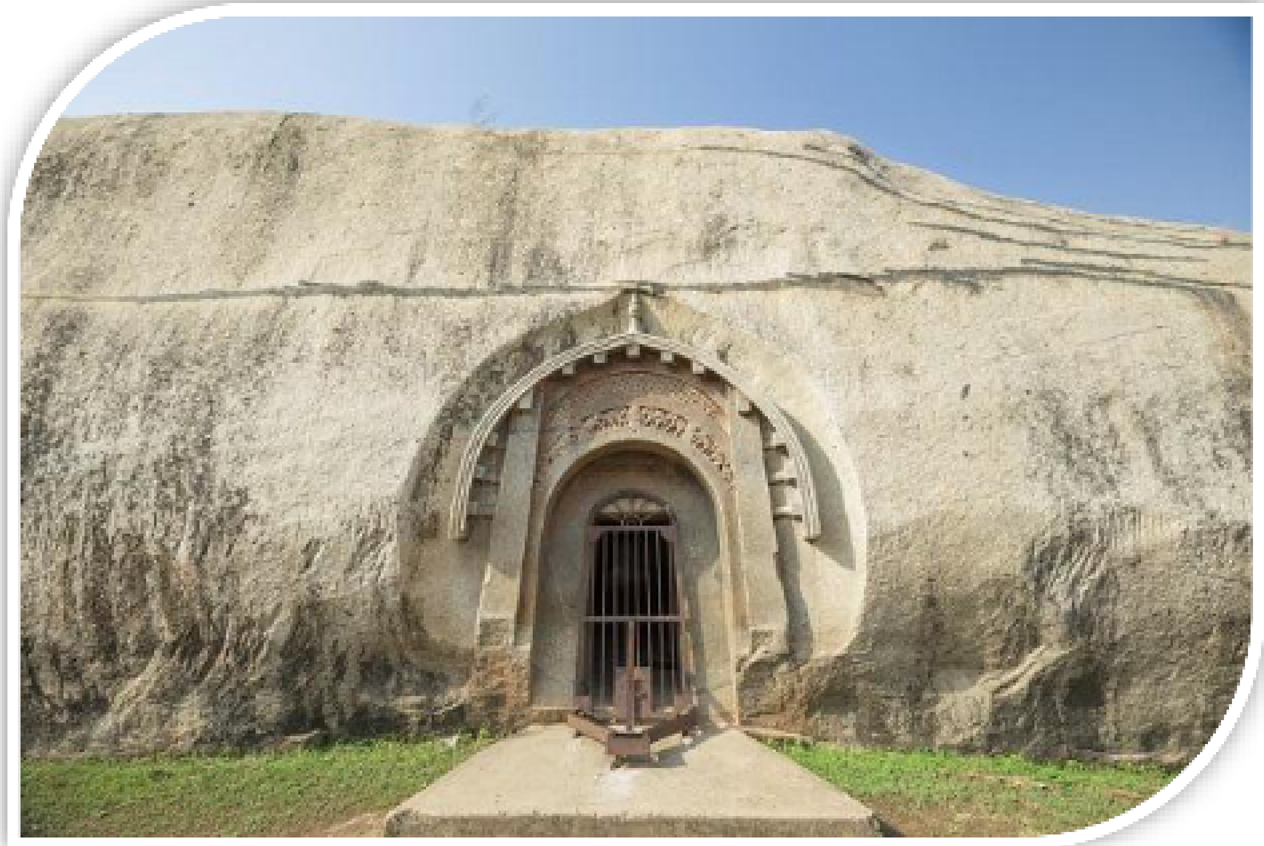

स्थानीय बाजार और व्यंजन:

- गया के केदारनाथ बाजार और स्थानीय मिठाइयां जैसे तिलकुट, केसरीया पेड़ा और अनरसा पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

बिहार सरकार ने गया शहर का नाम बदलकर 'गया जी' रखा

Result Mitra

पर्यटन नगरी

स्थानीय बाजार और व्यंजन:

- बिहार सरकार ने बोधगया में स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत 165.44 करोड़ रुपये की लागत से बौद्ध ध्यान और अनुभव केंद्र स्थापित करने की मंजूरी दी है, जो पर्यटन को और बढ़ावा देगा।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: गया (बिहार) से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1.गया का नाम वायु पुराण के अनुसार असुर गयासुर पर आधारित है।

2. मौर्य सम्राट अशोक ने बोधगया में पहला बौद्ध मंदिर बनवाया था।

3. 1922 में गया में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता देशबंधु चित्तरंजन दास ने की थी।

सही विकल्प चुनिए:

A. केवल 1 और 2

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 3

D. उपर्युक्त सभी

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

उत्तर: D. उपर्युक्त सभी

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: वायु पुराण के अनुसार, गया का नाम गयासुर नामक असुर पर आधारित है।
- कथन 2 सही है: सम्राट अशोक ने बोधगया में पहला बौद्ध मंदिर बनवाया था।
- कथन 3 सही है: 1922 के कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता देशबंधु चित्तरंजन दास ने की थी,

Thank You

Result Mitra™